मध्य प्रदेश की नदियों से हटाया जाएगा अतिक्रमण

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार ज़िले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में स्थित **नदियों व तालाबों से** अतिक्रमण **हटाने का अभियान** शुरू होगा, जिसमें शहर की **सरस्वती व कान्ह नदी** भी शामिल है।

मुख्य बिंदु:

- अभियान के तहत **नदियों के 30 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं** होना चाहिये। **शहर और मास्टर प्लान क्षेत्र के चिह्नित 20 तालाबों** से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह **ग्रामीण क्षेत्रों के 56 तालाबों** से भी अतिक्रमण हटाया जा रहा है।
- इन तालाबों में सीवर का जल (अपशिष्ट जल) न जाने पाए, इसके लिये ठोस प्रबंधन सुनिश्चित किये जाएँ। शहर सहित **पूरे ज़िले में वृक्षारोपण का महा-अभियान** भी चलाया जाएगा।

सरस्वती नदी

- यह **इंदौर से होकर बहने वाली नदी** है। इसमें अलवण जल नहीं है, बल्कि यह **मुख्य रूप से कान्ह नदी के प्रदूषण के कारण प्रदूषित** हो गई है।
- यह नदी **क्षिप्रा नदी** के माध्यम से एक बड़े जल निकाय में बहती है।
  - मध्य प्रदेश में **चंबल नदी की एक सहायक नदी** शिप्रा (क्षिप्रा) **मालवा पठार से होकर बहती** है।
  - यह **विंध्य पर्वतमाला में काकरी-टेकड़ी नामक पहाड़ी से निकलती है,** जो धार के उत्तर में है और उज्जैन के पास स्थित है।
  - **कान्ह और गंभीर** इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

कान्ह नदी

- कान्ह **इंदौर से होकर बहने वाली एक नदी** है। 1990 के दशक की शुरुआत में इस नदी में सीवेज़ का अपशिष्ट जल मुक्त होना शुरू हुआ था। नदी को साफ करने के कई प्रयास किये गए हैं, **फिर भी यह प्रदूषित** है।
- सरस्वती नदी के साथ यह नदी **स्मार्ट सिटी इंदौर परियोजना** का हिस्सा है और नदी के किनारे 3.9 किलोमीटर का रिवरफ्रंट पहले ही विकसित किया जा चुका है। **स्मार्ट सिटी मिशन** के तहत दोनों नदियों का कायाकल्प किया जा रहा है।
- **वर्ष 2023 में केंद्र सरकार ने 'नमामि गंगे कार्यक्रम'** के तहत कान्ह और सरस्वती नदियों की सफाई के लिये **511.15 करोड़ रुपए मंज़ूर** किये हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/encroachments-to-be-removed-from-madhya-pradesh-rivers